VDS01

छः मासिक प्रमाण–पत्र, पाठ्यक्रम परीक्षा
संस्कृत शिक्षण
प्रथम प्रश्न–पत्र : संस्कृत व्याकरण

Roll No. ....

रोल नं. ....

Time : 1½ Hours / समय 1½ घंटा — Maximum Marks: 100 / पूर्णांक : 100

Signature of the Candidate / छात्र के हस्ताक्षर ....

Signature of the Invigilator / वीक्षक के हस्ताक्षर ....

INSTRUCTIONS/ निर्देश

1. The test booklet contains total **100** questions.
   प्रश्नपत्र में कुल 100 प्रश्न हैं।
2. Candidate shall attempt any **50** questions. Each carry **2 (Two)** marks.
   विद्यार्थी कोई 50 प्रश्न हल करें, प्रत्येक प्रश्न 2 (दो) अंक का है।
3. No negative marking.
   ऋणात्मक अंक देय नहीं है।
4. On receipt of test booklet, the candidate should immediately check it and ensure that it is complete in all respect. Discrepancy, if any, should be reported by the candidate to the invigilator within **10** minutes of receiving the test booklet.
   छात्र को प्रश्न बुकलेट प्राप्त करते ही, सबसे पहले उसके कुल पृष्ठ तथा प्रश्न संख्या जाँच कर लें, यदि प्रश्न पत्र में कोई त्रुटि अथवा कटा–फटा हो, तो तुरन्त पर्यवेक्षक को 10 मिनट के अन्दर सूचित करावें।
5. The answer sheet is in the form of **OMR** answer sheet. Candidates should blacken the circle corresponding to correct answer.
   उत्तर पत्रक **OMR** उत्तर पत्रक के रूप में है। छात्र को सभी प्रश्नों के उत्तर **OMR** शीट में देने हैं। छात्र को सही उत्तर के कॉलम को नीले /काले पेन से गहरा काला करना है।
6. For each question only **1 (One)** circle should be blackened. If more than **1 (One)** circle is found marked, the question will be treated un-attempted.
   छात्र को प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 1 (एक) कॉलम में ही काला/नीला कर देना है। यदि 1 (एक) से अधिक काले/नीले गोले बनाये, तो वह प्रश्न नहीं पढ़ा जाएगा।
7. Candidate shall be required to deposit **OMR** answer sheet with the invigilator.
   छात्र को **OMR** शीट उत्तर देने के पश्चात् पर्यवेक्षक को जमा करानी अनिवार्य है।

Scanned with CamScanner

1. माहेश्वर सूत्रों की संख्या है –
   (A) 10 (B) 12
   (C) 14 (D) 26
2. अ, इ, उ, ऋ, ऌ स्वर ..... है।
   (A) ह्रस्व (B) दीर्घ
   (C) प्लुत (D) मिश्रित
3. निम्न में संयुक्त स्वर का उदाहरण है –
   (A) ऐ (B) ए
   (C) औ (D) उक्त सभी
4. आ, ई, ऊ, ॠ स्वर ..... स्वर हैं।
   (A) एक मात्रिक (B) द्विमात्रिक
   (C) त्रिमात्रिक (D) उक्त में कोई नहीं
5. अच् प्रत्याहार बोध कराता है –
   (A) सभी व्यंजन वर्णों का (B) सभी स्वरों का
   (C) सभी संयुक्ताक्षरों का (D) उक्त में कोई नहीं
6. 'हल्' से ..... का बोध होता है।
   (A) सभी स्वरों (B) कण्ठ्य वर्णों
   (C) सभी व्यंजनों (D) उक्त में कोई नहीं
7. उदात्त, अनुदात्त एवं स्वरित भेद हैं –
   (A) सभी स्वरों के (B) दीर्घ स्वरों के
   (C) ह्रस्व स्वरों के (D) प्लुत स्वरों के
8. क वर्ग, अ और विसर्ग का उच्चारण स्थान ..... है।
   (A) तालु (B) मूर्धा
   (C) दन्त (D) कण्ठ
9. ओ, औ का उच्चारण स्थान ..... है।
   (A) कण्ठ (B) ओष्ठ
   (C) कण्ठौष्ठ (D) उक्त में कोई नहीं
10. वर्णों के उच्चारण में की जाने वाली चेष्टाएं या यत्न ..... प्रकार के होते हैं।
   (A) केवल आभ्यन्तर (B) केवल बाह्य
   (C) आभ्यन्तर एवं बाह्य दोनों (D) उक्त में कोई नहीं
11. त, थ, द, ध, न का उच्चारण स्थान है –
   (A) दन्त (B) कण्ठ
   (C) ओष्ठ (D) तालु
12. उ स्वर तथा प, फ, ब, भ, एवम् म वर्णों का उच्चारण स्थान है –
   (A) दन्त (B) कण्ठ
   (C) ओष्ठ (D) तालु
13. जिन वर्णों के उच्चारण में प्राण वायु का अधिक उपयोग होता है, उन्हें कहते हैं –
   (A) अल्पप्राण (B) महाप्राण
   (C) घोष (D) अघोष
14. जिन वर्णों के उच्चारण में गूंज होती है, उन्हें कहते हैं –
   (A) अल्पप्राण (B) महाप्राण
   (C) घोष (D) अघोष

Scanned with CamScanner

15. 'पद' किसे कहते हैं?
(A) सभी सुबन्तों को
(B) सभी तिङन्तों को
(C) सभी सुबन्तों एवं तिङन्तों को
(D) उक्त में कोई नहीं

16. "ङ् ञ् ण् न् म्" वर्णों को कहा जाता है –
(A) अनुनासिक
(B) ऊष्म
(C) अन्तस्थ
(D) उक्त में कोई नहीं

17. "र् ष् ट् ठ् ड् ढ् ण्" वर्णों का उच्चारण स्थान है –
(A) कण्ठ
(B) दन्त
(C) ओष्ठ
(D) मूर्धा

18. अनुनासिक वर्णों का उच्चारण स्थान है –
(A) कण्ठ–तालु
(B) कण्ठ–ओष्ठ
(C) कण्ठ–नासिका
(D) दन्त–ओष्ठ

19. प वर्ग में परिगणित वर्ण हैं –
(A) त् थ् द ध् न्
(B) प् फ् ब् भ् म्
(C) क् च् ट् त् प्
(D) उक्त में कोई नहीं

20. निम्न में कारक नहीं माना जाता है –
(A) सम्प्रदान
(B) अपादान
(C) संबंध
(D) अधिकरण

21. संस्कृत में कारकों की संख्या ..... होती है।
(A) 8
(B) 7
(C) 6
(D) उक्त में कोई नहीं

22. कर्ता कारक में विभक्ति होती है –
(A) चतुर्थी
(B) तृतीया
(C) द्वितीया
(D) प्रथमा

23. क्रिया के सम्पादन में जिन–जिन का उपयोग होता है, उसको ..... कहा जाता है।
(A) क्रिया
(B) विभक्ति
(C) कारक
(D) संज्ञा

24. प्रातिपदिकार्थ एवं संबोधन में ..... विभक्ति होती है।
(A) प्रथमा
(B) द्वितीया
(C) तृतीया
(D) चतुर्थी

25. कर्मणि द्वितीया सूत्र से कर्मकारक में ..... विभक्ति होती है।
(A) प्रथमा
(B) द्वितीया
(C) पंचमी
(D) षष्ठी

26. "विष्णुः वैकुण्ठम् अधिवसति।" वाक्य में "वैकुण्ठम्" पद में विभक्ति है –
(A) प्रथमा एकवचन
(B) प्रथमा बहुवचन
(C) द्वितीया एकवचन
(D) द्वितीया बहुवचन

27. "ग्रामं गच्छन् तृणं स्पृशति।" वाक्य में "ग्रामम्" एवं "तृणम्" पदों में विभक्ति है –
(A) "ग्रामं" एवं "तृणं" दोनों में प्रथमा
(B) दोनों में द्वितीया
(C) ग्रामं में प्रथमा एवं तृणं में द्वितीया
(D) ग्रामं में द्वितीया एवं तृणं में प्रथमा

28. "कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे" सूत्र से कालवाची और मार्गवाची में ..... विभक्ति होती है।
(A) द्वितीया
(B) तृतीया
(C) पंचमी
(D) सप्तमी

29. 'गोपः गां पयः दोग्धि।' वाक्य में गाम् पद में कर्मकारक हुआ है –
(A) कर्तुरीप्सिततमं कर्म सूत्र से
(B) तथायुक्तं चानीप्सितम् सूत्र से
(C) "अकथितञ्च" सूत्र से दुह के योग में
(D) कर्मणि द्वितीया

Scanned with CamScanner

30. "नदी के दोनों ओर वृक्ष हैं।" का संस्कृतानुवाद है –
(A) नदीं उभयतः वृक्षाः सन्ति।
(B) नद्याः उभयतः वृक्षाः सन्ति।
(C) नद्याम् परितः वृक्षाः सन्ति।
(D) नद्याः उभयतः वृक्षाणि सन्ति।

31. "कर्तृकरणयोस्तृतीया" सूत्र से तृतीया विभक्ति होती है –
(A) करणकारक में
(B) अनुक्त कर्ता में
(C) A एवं B दोनों सही है
(D) उक्त में कोई नहीं

32. "नेत्रेण काणः।" वाक्य में नेत्रेण में तृतीया विभक्ति हुई है –
(A) "साधकतमं करणम्" नियम से
(B) "इत्थंभूत लक्षणे" नियम से
(C) "हेतौ" नियम से
(D) "येनाङ्गविकारः" नियम से

33. "पुत्रः मात्रा सह विद्यालयं गच्छति।" वाक्य में "मात्रा" पद में तृतीया विभक्ति हुई है –
(A) सह के योग में
(B) 'साधकतमं करणम्' सूत्र से
(C) कर्तृकरणयोस्तृतीया सूत्र से
(D) उक्त में कोई नहीं

34. सम्प्रदान कारक में विभक्ति ..... होती है।
(A) सप्तमी
(B) षष्ठी
(C) पंचमी
(D) चतुर्थी

35. "कर्मणा यमभिप्रैति स .....।" में रिक्त स्थान की पूर्ति करें –
(A) कर्म
(B) करणम्
(C) सम्प्रदानम्
(D) अपादानम्

36. "रुच्यर्थानां प्रीयमाणः" सूत्र से सम्प्रदान कारक होता है –
(A) प्रसन्न होने वाले में
(B) प्रसन्नता के कारण में
(C) रुचि व रुचि अर्थ वाले शब्दों में
(D) उक्त में कोई नहीं

37. "गुरवे नमः।" वाक्य में गुरवे में चतुर्थी विभक्ति हुई है –
(A) सम्प्रदान कारक में
(B) नमः के योग में
(C) रुच्यर्थानां प्रीयमाणः
(D) उक्त में कोई नहीं

38. "बालक' सिंहात् बिभेति।" में सिंहात् पद में –
(A) भय के कारण में "भीत्रार्थानां भय हेतुः" सूत्र से पंचमी
(B) "ध्रुवमपायेऽपादानम्" सूत्र से अपादान कारक में पंचमी
(C) "वारणार्थानामीप्सितः" सूत्र से पंचमी
(D) उक्त में कोई नहीं

39. 'आख्यातोपयोगे' सूत्र से कारक एवं विभक्ति होती है –
(A) सम्प्रदान कारक, चतुर्थी
(B) अपादान कारक, पंचमी विभक्ति
(C) कर्म कारक, द्वितीया
(D) अधिकरण कारक, सप्तमी

40. "षष्ठी शेषे" सूत्र से होता है –
(A) षष्ठी तत्पुरुष समास
(B) संबंधों को बतलाने के लिए षष्ठी विभक्ति का प्रयोग
(C) अधिकरण कारक होता है
(D) उक्त में कोई नहीं

41. "यतश्च निर्धारणम्" सूत्र से होता/होती है –
(A) पंचमी विभक्ति
(B) सम्प्रदान कारक
(C) द्वितीया विभक्ति
(D) षष्ठी या सप्तमी विभक्ति

42. आधार में कौनसा कारक होता है?
(A) संबंध
(B) अधिकरण
(C) सम्प्रदान
(D) कर्म

Scanned with CamScanner

43. 'गांव के पास नदी है।' का संस्कृतानुवाद है –
(A) ग्रामस्य निकषा नदी अस्ति। (B) ग्रामं निकषा नदी अस्ति।
(C) ग्रामाणां निकषा नदी अस्ति। (D) ग्रामस्य निकषा नद्यः सन्ति।

44. 'वह पानी से मुख धोता है।' का अनुवाद है –
(A) सः जलेन मुखं प्रक्षालयति। (B) सः जलात् मुखं प्रक्षालयति।
(C) सः जलेभ्यः मुखं प्रक्षालयति। (D) सः जलेभ्यः मुखं प्रक्षालयन्ति।

45. ".....मानवाः श्रेष्ठाः।" 'जीव' शब्द का उचित रूप प्रयोग करें –
(A) जीवेषु जीवानां वा (B) जीवेभ्यः
(C) जीवाः (D) जीवैः

46. ".....सह शिशुः विद्यालयं गतवान्।" रिक्त स्थान में पितृ शब्द का उचित विभक्ति रूप होगा –
(A) पितरम् (B) पितृभ्यः
(C) पितुः (D) पित्रा

47. "चटाई पर बैठता है।" का संस्कृतानुवाद होगा –
(A) कटं तिष्ठति। (B) कटे आस्ते।
(C) कटं आस्ते। (D) कटे तिष्ठामि।

48. "धन के बिना सुख नहीं।" का संस्कृतानुवाद है –
(A) धनस्य विना सुखं न। (B) धनाय विना सुखं न।
(C) धनं विना सुखं न। (D) धनेन अन्तरेण सुखं न।

49. राजा ..... धनं ददाति। वाक्य में रिक्त स्थान में विप्र शब्द का उचित विभक्ति रूप प्रयुक्त होगा –
(A) विप्रस्य (B) विप्रम्
(C) विप्राय (D) विप्रेण

50. 'हरि वैकुण्ठ में रहते हैं।' का संस्कृतानुवाद है –
(A) हरिः वैकुण्ठे उपवसति। (B) हरिः वैकुण्ठस्य उपवसति।
(C) हरिः वैकुण्ठः उपवसति। (D) हरिः वैकुण्ठं उपवसति।

51. 'गणेश को लड्डू अच्छे लगते हैं।' का सही अनुवाद है –
(A) गणेशाय मोदकं रोचते। (B) गणेशं मोदकं रोचते।
(C) गणेशेन मोदकं रोचते। (D) उक्त सभी

52. "रामस्य गृहस्य परितः वृक्षाः वर्तते।" वाक्य का शुद्ध रूप है –
(A) रामस्य गृहं परितः वृक्षाः वर्तन्ते। (B) रामस्य गृहस्य परितः वृक्षाः वर्तन्ते।
(C) रामं गृहं परितः वृक्षाः वर्तते। (D) सर्वाणि वाक्यानि शुद्धानि।

53. "अहं गीतां पठामि।" वाक्य का कर्मवाच्य होता है –
(A) मया गीतां पठति। (B) मया गीता पठति।
(C) अहं गीता पठ्यते। (D) मया गीता पठ्यते।

54. "रामलक्ष्मणौ पंचवट्यां .....।" वस् धातु का उचित रूप (लट्लकार में) प्रयुक्त करें –
(A) वसन्ति (B) वसामः
(C) वसतः (D) वसति

55. ".....हेतुना अत्र वसति?" रिक्त स्थान पर किम् शब्द का रूप भरें –
(A) कस्य (B) कस्मात्
(C) केन (D) कस्मिन्

56. "ध्रुवमपायेऽपादानम्" सूत्र से अपादान कारक होता है –
(A) आधार में (B) करण में
(C) जिससे पृथक्/विश्लेष होता है (D) उक्त में कोई नही

57. राम शब्द तृतीया बहुवचन का रूप है –
(A) रामभिः (B) रामैः
(C) रामेण (D) उक्त में कोई नहीं

Scanned with CamScanner

58. कवि शब्द चतुर्थी एकवचन का रूप है –
(A) कवाय
(B) कविभ्यः
(C) कवये
(D) कविना

59. गुरु शब्द द्वितीया बहुवचन का रूप है –
(A) गुरुः
(B) गुरुन्
(C) गुरवः
(D) गुरु

60. "..... नमः।" मातृ शब्द का उचित रूप रिक्त स्थान में भरा जाये –
(A) मात्रे
(B) मात्रा
(C) मातरम्
(D) मातुः

61. लकारों की संख्या है –
(A) पाँच
(B) दस
(C) आठ
(D) सात

62. 'अस्मद्' शब्द प्रथमा का रूप है –
(A) अहम्
(B) आवाम्
(C) वयम्
(D) उक्त सभी

63. विशेषण शब्दों के रूप चलते हैं –
(A) केवल पुल्लिंग
(B) केवल स्त्रीलिंग
(C) केवल नपुंसकलिंग
(D) तीनों लिंगों में

64. स्था धातु लृट् लकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप है –
(A) तिष्ठ्यस्यति
(B) स्थास्यति
(C) तिष्ठति
(D) उक्त में कोई नहीं

65. हन् धातु लट्लकार प्रथमपुरुष बहुवचन का रूप है –
(A) हन्ति
(B) घ्नन्ति
(C) हनन्ति
(D) उक्त में कोई नहीं

66. कृ धातु लङ्लकार प्रथमपुरुष एकवचन का रूप है –
(A) अकरोत्
(B) अकुरुताम्
(C) अकुर्वन्
(D) अकरवम्

67. मुख्यतः सन्धियां कितने प्रकार की होती है?
(A) तीन
(B) दो
(C) चार
(D) उक्त में कोई नहीं

68. यद्यपि का संधि विच्छेद है –
(A) यदि + अपि
(B) यद् + यपि
(C) यद्य + पि
(D) उक्त में कोई नहीं

69. पावकः का सन्धिविच्छेद है –
(A) पा + आवकः
(B) पाव + क
(C) पौ + अकः
(D) उक्त में कोई नहीं

70. हिम + आलय = हिमालय में सन्धि का नाम है –
(A) वृद्धि
(B) दीर्घ
(C) गुण
(D) अयादि

71. "स्तोः श्चुना श्चुः" विधायक सूत्र है –
(A) स्वर संधि
(B) विसर्ग संधि
(C) व्यञ्जन संधि
(D) उक्त में कोई नहीं

72. "पितुरिच्छा" का संधि विच्छेद है –
(A) पितुः + इच्छा
(B) पितुः + रिच्छा
(C) पितुरि + इच्छा
(D) उक्त में कोई नहीं

Scanned with CamScanner

73. "पुनर् + रमते" की संधि होगी –
(A) पुनर्रमते
(B) पुनः रमते
(C) पुनरारमते
(D) पुना रमते

74. अनीयर् प्रत्यय के विषय में सत्य कथन है –
(A) अनीय शेष रहता है।
(B) इससे बना शब्द विशेषण शब्द होता है।
(C) चाहिए, योग्य आदि अर्थों में प्रयुक्त होता है।
(D) उक्त सभी

75. "कार्यम्" पद में प्रकृति प्रत्यय है –
(A) कृ + यत्
(B) कृ + ण्यत्
(C) कृ + क्यप्
(D) कृ + ल्यप्

76. 'पढ़ता हुआ' 'लिखता हुआ' आदि अर्थों में प्रयुक्त होने वाला वर्तमान कालिक कृदन्त प्रत्यय है –
(A) शतृ, शानच्
(B) अनीयर्, तव्यत्
(C) क्त्वा, ल्यप्
(D) उक्त में कोई नहीं

77. उत्थाय (उठ करके) में प्रकृति प्रत्यय है –
(A) उत् + स्था + ण्यत्
(B) उत् + स्था + ल्यप्
(C) उत् + स्था + यत्
(D) उक्त में कोई नही

78. "भोजनं कृत्वा जलम् न पिबामि।" वाक्य का हिंदी अनुवाद है –
(A) वह भोजन करके जल पीता है।
(B) वह भोजन करता है और पानी नहीं पीता है।
(C) मैं भोजन करके पानी नहीं पीता हूँ।
(D) उक्त में कोई नहीं

79. 'सः पठितुं विद्यालयं गच्छति।' यहाँ पठितुम् पद में प्रत्यय है –
(A) तुम्
(B) तुमुन्
(C) ण्वुल्
(D) उक्त में कोई नहीं

80. 'आगतः' पद में प्रत्यय प्रयुक्त हुआ है –
(A) आ + गम् + क्त
(B) आ + गम् + क्तवतु
(C) आ + गम् + क्त्वा
(D) उक्त में कोई नहीं

81. "धावन्तः अश्वात् पतति।" वाक्य में धावन्तः में प्रकृति प्रत्यय है –
(A) धाव् + शानच् + पंचमी
(B) धाव् + शतृ + पंचमी
(C) धाव् + ण्यत् + पंचमी
(D) उक्त में कोई नहीं

82. समास मुख्यतः ..... प्रकार के होते हैं।
(A) पाँच
(B) दस
(C) पन्द्रह
(D) उक्त में कोई नहीं

83. विभक्ति, समीप आदि 16 अर्थों में वर्तमान अव्यय का सुबन्त के साथ नित्य समास होता है, तो –
(A) उसे बहुव्रीहि कहते हैं
(B) उसे अव्ययी भाव कहते हैं
(C) उसे तत्पुरुष कहते हैं
(D) उक्त में कोई नहीं

84. 'यथाशक्ति' का समास विग्रह है –
(A) शक्त्याः अनुरूपम्
(B) शक्तिं अनतिक्रम्य
(C) यथा शक्तिः
(D) उक्त में कोई नहीं

85. "मक्षिकाणाम् अभावः इति" का समस्त पद है –
(A) निर्मक्षिकम्
(B) निर्मक्षिकः
(C) निर्मक्षिका
(D) उक्त में कोई नहीं

86. "गंगायाः समीपम् इति उपगंगम्" में समास है –
(A) तत्पुरुष
(B) अव्ययीभाव
(C) बहुव्रीहि
(D) उक्त में कोई नही

87. बहुव्रीहि समास में ..... ।
(A) प्रायः उत्तर पद का अर्थ प्रधान होता है।
(B) प्रायः प्रथम पद का अर्थ प्रधान होता है।
(C) प्रायः अन्य पद का अर्थ प्रधान होता है।
(D) उक्त में कोई नही

Scanned with CamScanner

88. राज्ञः पुरुषः इति राजपुरुषः में समास है –
(A) पंचमी तत्पुरुष (B) षष्ठी तत्पुरुष
(C) द्वितीया तत्पुरुष (D) उक्त में कोई नहीं

89. नीलोत्पलम् का समास विग्रह है –
(A) नीलं च तत् उत्पलम् (B) नीलः च असौ उत्पलः
(C) नीलं उत्पलम् यस्य सः (D) उक्त में कोई नहीं

90. अब्राह्मणः का समास विग्रह एवं समास का नाम है –
(A) ब्राह्मणत्वम् समाप्तम् इति, तत्पुरुष समासः (B) ब्राह्मणत्वस्य अभावः इति, नञ् तत्पुरुष
(C) न ब्राह्मणः इति, नञ् तत्पुरुषः (D) उक्त में से कोई नहीं

91. नखभिन्नः का समास विग्रह है –
(A) नखैः भिन्नः (B) नखेभ्यः भिन्नः
(C) नखस्य भिन्नः (D) उक्त में कोई नहीं

92. 'पञ्चवटी' का समास विग्रह है –
(A) पञ्चानाम् वटानाम् समाहारः। (B) पञ्चवट धनम् यस्य सः।
(C) पञ्च वटाः यत्र तत्स्थानम्। (D) उक्त में कोई नहीं

93. 'माता च पिता च'' के समस्त पद एवं समास का नाम है –
(A) पितरौ, एकशेष द्वन्द्व (B) मातरौ, द्वन्द्व
(C) मातापितरौ, एक शेष द्वन्द्व (D) उक्त में कोई नहीं

94. 'पीताम्बरः' में समास व समास विग्रह निम्नानुसार है –
(A) पीतं अम्बरं यस्य सः विष्णुः बहुव्रीहि (B) पीतं अम्बरम्, कर्मधारय
(C) पीतं अम्बरम् यस्मै सः बहुव्रीहि (D) उक्त में कोई नहीं

95. ''उपविश्य'' में प्रकृति–प्रत्यय हैं –
(A) उप + विश् + ल्यप् (B) उप + विश् + ण्यत्
(C) उप + विश् + यत् (D) उक्त में कोई नहीं

96. कृष्णश्रितः का समास विग्रह एवं समास का नाम है –
(A) कृष्णं श्रितः, द्वितीया तत्पुरुष (B) कृष्णे श्रितः, सप्तमी तत्पुरुष
(C) कृष्णे आश्रितः, सप्तमी तत्पुरुष (D) उक्त में कोई नहीं

97. गुणसंज्ञा विधायक सूत्र है –
(A) अदेङ् गुणः (B) उरणरपरः
(C) इकोयणचि (D) उक्त में कोई नहीं

98. वृद्धि संज्ञा विधायक सूत्र है –
(A) वृद्धिरादैच् (B) आद् गुणः
(C) वृद्धिरेचि (D) उक्त में कोई नहीं

99. ''अष्टाध्यायी'' के लेखक है –
(A) पतञ्जलि (B) पाणिनी
(C) महर्षि गौतम (D) वरदराज

100. 'पातञ्जल महाभाष्य' सम्बद्ध ग्रंथ है –
(A) दर्शन (B) योग
(C) व्याकरण (D) उक्त में कोई नहीं

Scanned with CamScanner